NCERT SOLUTIONS

CLASS - 10th

aglasem.com

Class : 10th

Subject : हिन्दी

Chapter : 2

Chapter Name : पद

(क) निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए -

Q1॰ पहले पद में मीरा ने हरि से अपनी पीड़ा हरने की विनती किस प्रकार की है?

Answer. पहले पद में मीरा श्री कृष्ण को संबोधित करते हुए कहती हैं कि हे प्रभु ! आपने द्रौपदी के वस्त्र बढ़ाकर भरी सभा में उसकी लाज रखी, नरसिंह का रुप धारण करके हिरण्यकश्यप को मार कर प्रह्लाद को बचाया, आपने ही डूबते हुए हाथी को मगरमच्छ के मुँह से बचाकर उस हाथी की पीड़ा दूर की थी।। मीरा ने द्रौपदी, प्रह्लाद और ऐरावत के उदाहरण देते हुए हरि से विनती की है कि वे मीरा के दुख को भी दूर करें।

Page: 11, Block Name: निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिये -

Q2॰ दूसरे पद में मीराबाई श्याम की चाकरी क्यों करना चाहती हैं? स्पष्ट कीजिए।

Answer॰ दूसरे पद में मीरा श्याम की चाकरी इसलिए करना चाहती हैं क्योंकि वह श्री कृष्ण को सर्वस्व समर्पित कर चुकी हैं। वे चाहती हैं कि दिन रात श्याम उनके सामने ही रहें। इस प्रकार मीरा दासी बनकर श्री कृष्ण के दर्शन, नाम स्मरण रूपी जेब-खर्च और भक्ति रूपी जागीर तीनों प्राप्त कर अपना जीवन सफल बनाना चाहती हैं।

Page: 11, Block Name: निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिये –

Q 3॰ मीराबाई ने श्रीकृष्ण के रूप-सौंदर्य का वर्णन कैसे किया है?

Answer॰ मीराबाई कृष्ण के रूप सौंदर्य का वर्णन करते हुए कहती हैं कि कृष्ण के पीले वस्त्र, मोर का मुकुट और गले में वैजयंती माला बहुत सुंदर लगती है। कृष्ण जब वृंदावन में इस रूप में गाय चराते हैं तो उनका रूप मोहने वाला होता है।

Page: 11, Block Name: निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिये –

Q4॰ मीराबाई की भाषा शैली पर प्रकाश डालिए।

Answer॰ मीराबाई की भाषा में राजस्थान की बोली का पुट है क्योंकि वे राजस्थान की थीं। उन्होंने सामान्य बोलचाल में प्रयुक्त होने वाले शब्दों का प्रयोग किया है।मीराबाई के पदों में भक्तिरस है। इनके पदों में अनुप्रास, रूपक, उत्प्रेक्षा आदि अलंकार का प्रयोग हुआ है। उनकी सरल शब्दावली के कारण मीरा के पद आसानी से लोगों की ज़ुबान पर चढ़ जाते हैं।इनके पदों में माधुर्य गुण प्रमुख है और शांत रस के दर्शन होते हैं। मीरा ने मुक्तक गेय पदों की रचना की है जिनमें उनके दर्द की भी अभिव्यक्ति हुई है।

Page: 11, Block Name: निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिये –

Q5. वे श्रीकृष्ण को पाने के लिए क्या-क्या कार्य करने को तैयार हैं?

Answer॰ मीराबाई ने कृष्ण को आराध्य के रूप में देखा है। मीरा कहती हैं कि ऊँचे महलों में वो बगीचे बनवाएँगी। उन्हीं बगीचों में वे पूरे साज श्रृंगार करके कृष्ण के दर्शन करेंगी। अब मीरा का हृदय इतना अधीर हो गया है कि वे चाहती हैं कि भगवान उन्हें आधी रात में ही दर्शन दे दें। वे अपने आराध्य को मिलने के लिए हर सम्भव प्रयास करने के लिए तैयार हैं। वृंदावन की गलियों में उनकी लीलाओं का गुणगान करना चाहती हैं ।

Page: 11, Block Name: निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिये –

(ख) निम्नलिखित पंक्तियों का काव्य-सौंदर्य स्पष्ट कीजिए -

Q1. हरि आप हरो जन री भीर।

द्रोपदी री लाज राखी, आप बढ़ायो चीर।

भगत कारण रूप नरहरि, धरयोआप सरीर।

Answer. प्रस्तुत पंक्तियाँ 'मीराबाई के पद' से ली गई हैं। मीराबाई अपने प्रिय भगवान कृष्ण से प्रार्थना करते हुए कहती हैं - हे भगवान ! आप इस दासी की पीडा हरें। मीरा के अनुसार श्रीकृष्ण ने ही द्रौपदी की लाज बचाई थी,जब दु:शासन ने उसे निर्वस्त्र करने का प्रयास किया था तो आपने ही उसे वस्त्र प्रदान किए थे। आप भक्तों पर कृपा करने वाले हैं। अपने भक्त प्रह्लाद को बचाने के लिए नरसिंह रूप धारण किया था। मीरा ने द्रौपदी, प्रह्लाद और ऐरावत के उदाहरण देते हुए हरि से विनती की है कि वे मीरा के दुख को भी दूर करें।

Page: 11, Block Name: निम्नलिखित पंक्तियों का काव्य-सौंदर्य स्पष्ट कीजिए -

Q2. बूढ़तो गजराज राख्यो, काटी कुण्जर पीर।

दासी मीराँ लाल गिरधर, हरो म्हारी भीर।

Answer. प्रस्तुत पंक्तियाँ 'मीराबाई के पद' से ली गई हैं जिनमें मीराबाई अपने भगवान से कहती हैं - हे कृष्ण! आप भक्तों पर कृपा करने वाले हैं।जब ऐरावत को मगरमच्छ ने पकड़ लिया था तो विष्णु ने

मगरमच्छ को मारकर ऐरावत की जान बचाई थी। इसी तरह मुझे भी हर संकट से बचाकर पीड़ा मुक्त करो। मीरा सांसारिक बंधनों से मुक्ति के लिए भी विनती करती हैं।

Page: 11, Block Name: निम्नलिखित पंक्तियों का काव्य-सौंदर्य स्पष्ट कीजिए –

Q3. चाकरी में दरसण पास्यूँ, सुमरण पास्यूँ खरची।

भाव भगती जागीरी पास्यूँ, तीनूं बाताँ सरसी।

Answer.प्रस्तुत पंक्तियाँ ' मीराबाई' के पद से ली गई हैं।कवयित्री मीराबाई बार-बार कृष्ण के दर्शन करना चाहती हैं। मीरा अपने प्रिय भगवान कृष्ण से कहती है - हे श्याम ! मुझे अपनी दासी बना लो। मीरा कहती हैं कि ऊँचे महलों में वो बगीचे बनवाएँगी। उन्हीं बगीचों में वे पूरे साज श्रृंगार करके कृष्ण के दर्शन करेंगी। अब मीरा का हृदय इतना अधीर हो गया है कि वे चाहती हैं कि भगवान उन्हें आधी रात में ही दर्शन दे दें। वे अपने आराध्य को मिलने के लिए हर सम्भव प्रयास करने के लिए तैयार हैं। नाम-स्मरण रूपी जेब-खर्च प्राप्त होगा, भावपूर्ण भक्ति की जागीर प्राप्त होगी। इस प्रकार मीरा दासी बनकर श्री कृष्ण के दर्शन, नाम स्मरण रूपी जेब-खर्च और भक्ति रूपी जागीर तीनों प्राप्त कर अपना जीवन सफल बनाना चाहती हैं।

Page: 11, Block Name: निम्नलिखित पंक्तियों का काव्य-सौंदर्य स्पष्ट कीजिए -

भाषा अध्ययन

Q1. उदाहरण के आधार पर पाठ में आए निम्नलिखित शब्दों के प्रचलित रूप लिखिए-

उदाहरण - भीर – पीड़ा / कष्ट / दुख, री – की

Answer.

चीर - वस्त्र / कपड़ा

बूढ़ता - डूबता

धरयो - धारण किया

लगास्यूँ - लगाऊँगी

कुंजर - हाथी / हस्ती

घणा - बहुत अधिक/ घना

बिन्दरावन – वृंदावन

सरसी - पूरी हुई

रहस्यूँ – रहूँगी

हिवड़ा - हृदय / दिल

राखो – रक्षा करो/ रखो

कुसुम्बी - केसरिया /लाल रंग की

Page: 11, Block Name: भाषा अध्ययन

योग्यता विस्तार

aglasem.com

Q. 1. मीरा के अन्य पदों को याद करके कक्षा में सुनाइए |

Answer - छात्र स्वयं करें |

Page: 11, Block Name: योग्यता विस्तार

Q. 2. यदि आपको मीरा के पदों के कैसेट मिल सकें तो अवसर मिलने पर उन्हें सुनिए |

Answer - छात्र स्वयं करें |

Page: 11, Block Name: योग्यता विस्तार

परियोजना कार्य

Q. 1. मीरा के पदों का संकलन करके उन पदों को चार्ट पर लिखकर भित्ति पत्रिका पर लगाइए |

Answer - छात्र स्वयं करें |

Page: 12, Block Name: परियोजना कार्य

Q. 2. पहले हमारे यहाँ दस अवतार माने जाते थे | विष्णु के अवतार राम और कृष्ण प्रमुख हैं | अन्य अवतारों के बारे में जानकारी प्राप्त करके एक चार्ट बनाइए |

Answer - छात्र स्वयं करें |

Page: 12, Block Name: परियोजना कार्य

aglasem.com